मेरी गेंद को रोको!

माइक मैक्लिंटॉक

चित्र: फ़िट्ज़ सिबेल

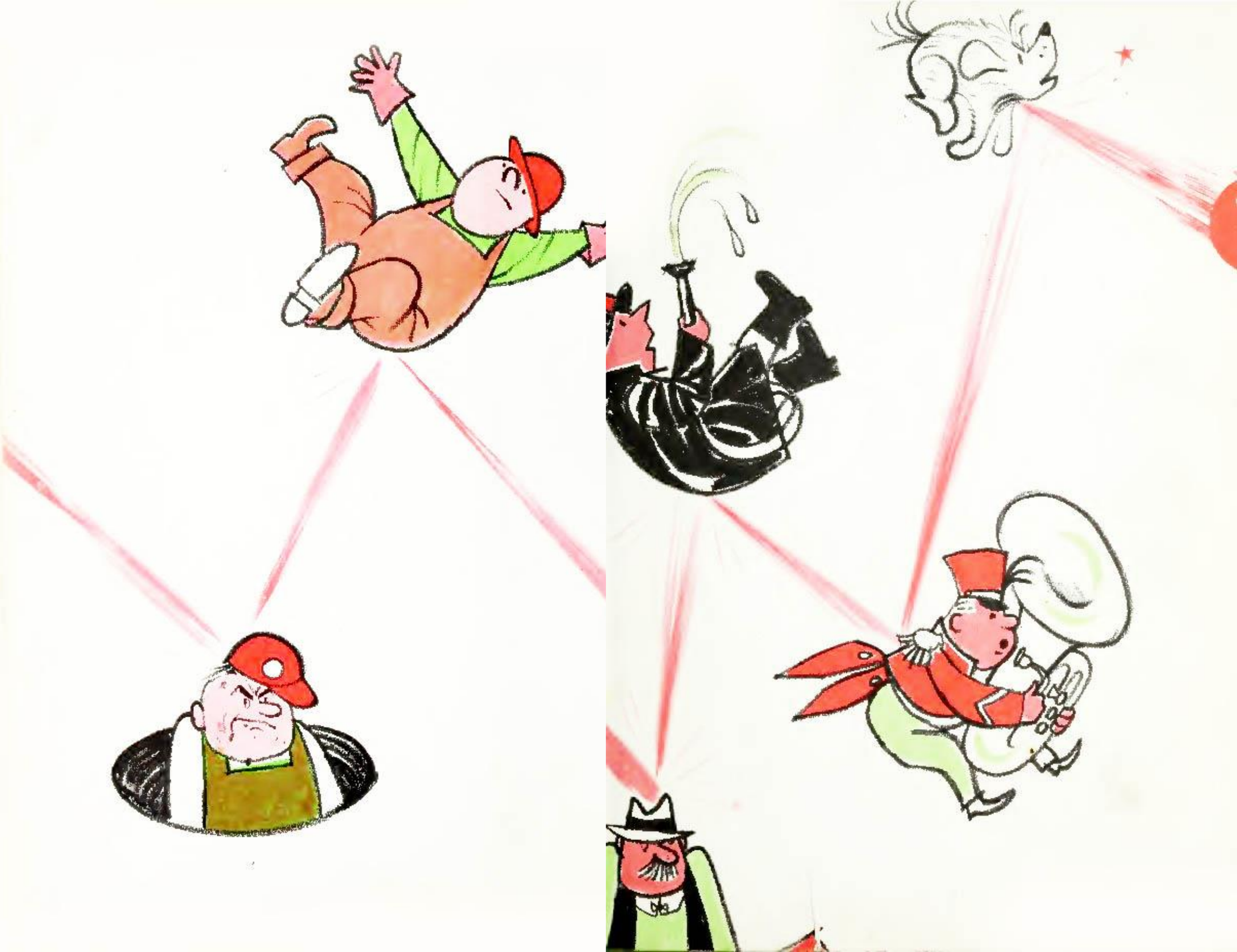

मेरी गेंद को रोको!

माइक मैक्लिंटॉक

चित्र: फ़्रिट्ज़ सिबेल

मैंने अपनी गेंद को मारा. मैंने उसे ज़ोर से मारा.
जैसे ही मेरी गेंद पास आई मैंने उसे मारा.
गेंद घूमी, उसने चक्कर लगाया और फिर वो वापस आई.
मैंने अपनी गेंद को एक बार दुबारा मारा!

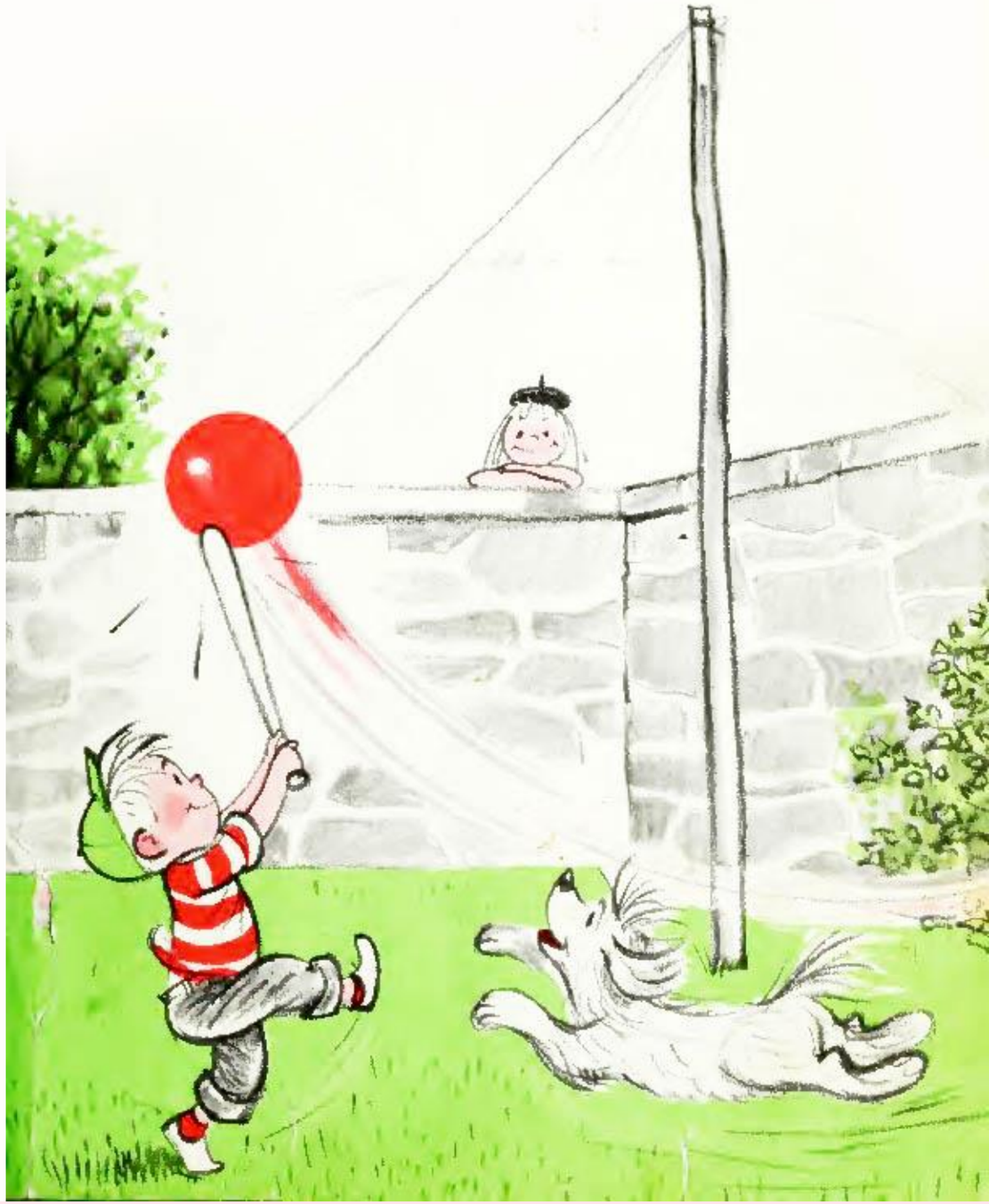

मैंने उसे ऊंचा मारा.
मैंने उसे नीचे मारा.
मैंने उसे इतनी जोर से मारा
कि उसकी डोर ही टूट गई!

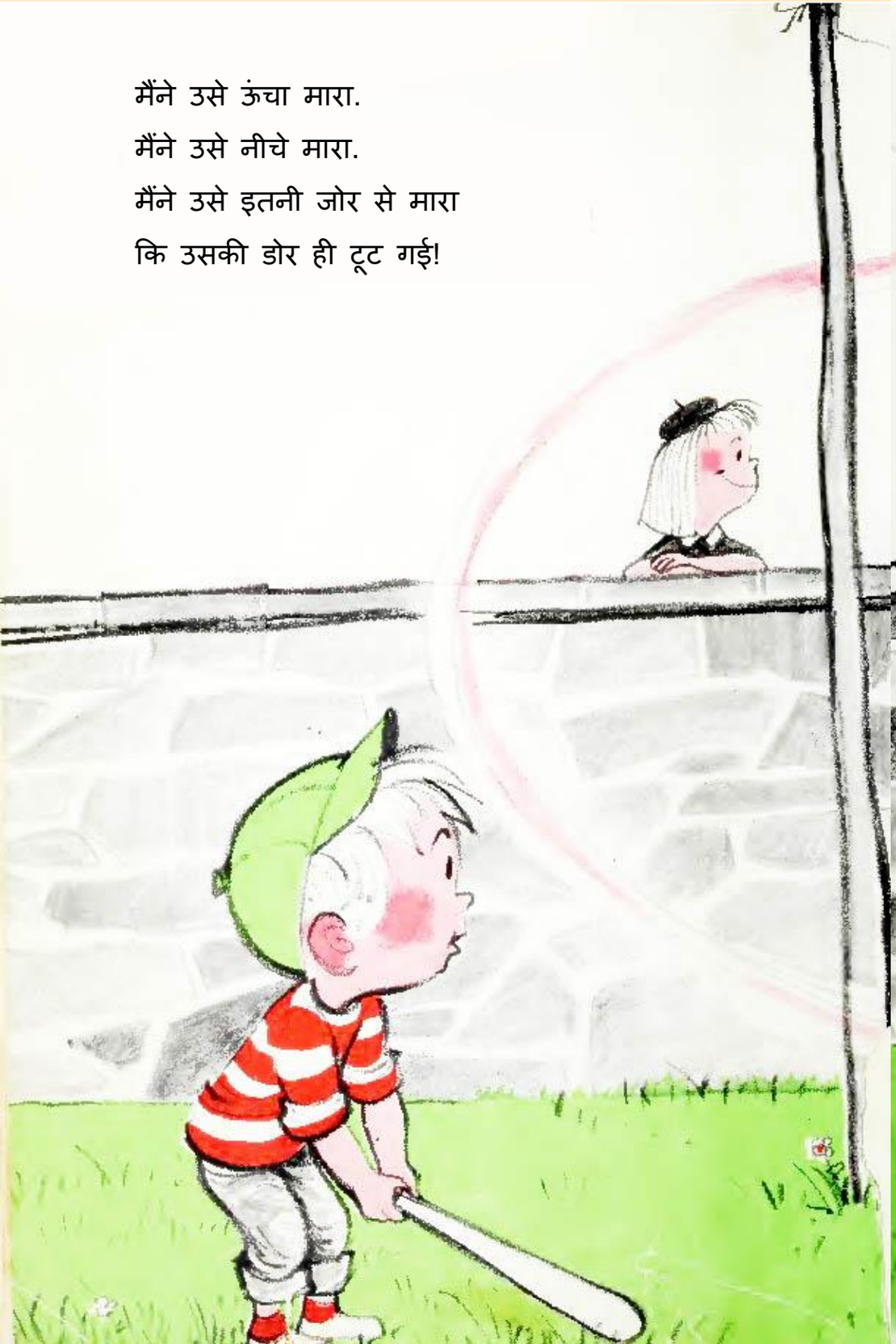

डोरी छूट गयी.
और फिर मेरी गेंद उड़ी.
दूर ऊँची,
वो दीवार के पार उड़ गई!

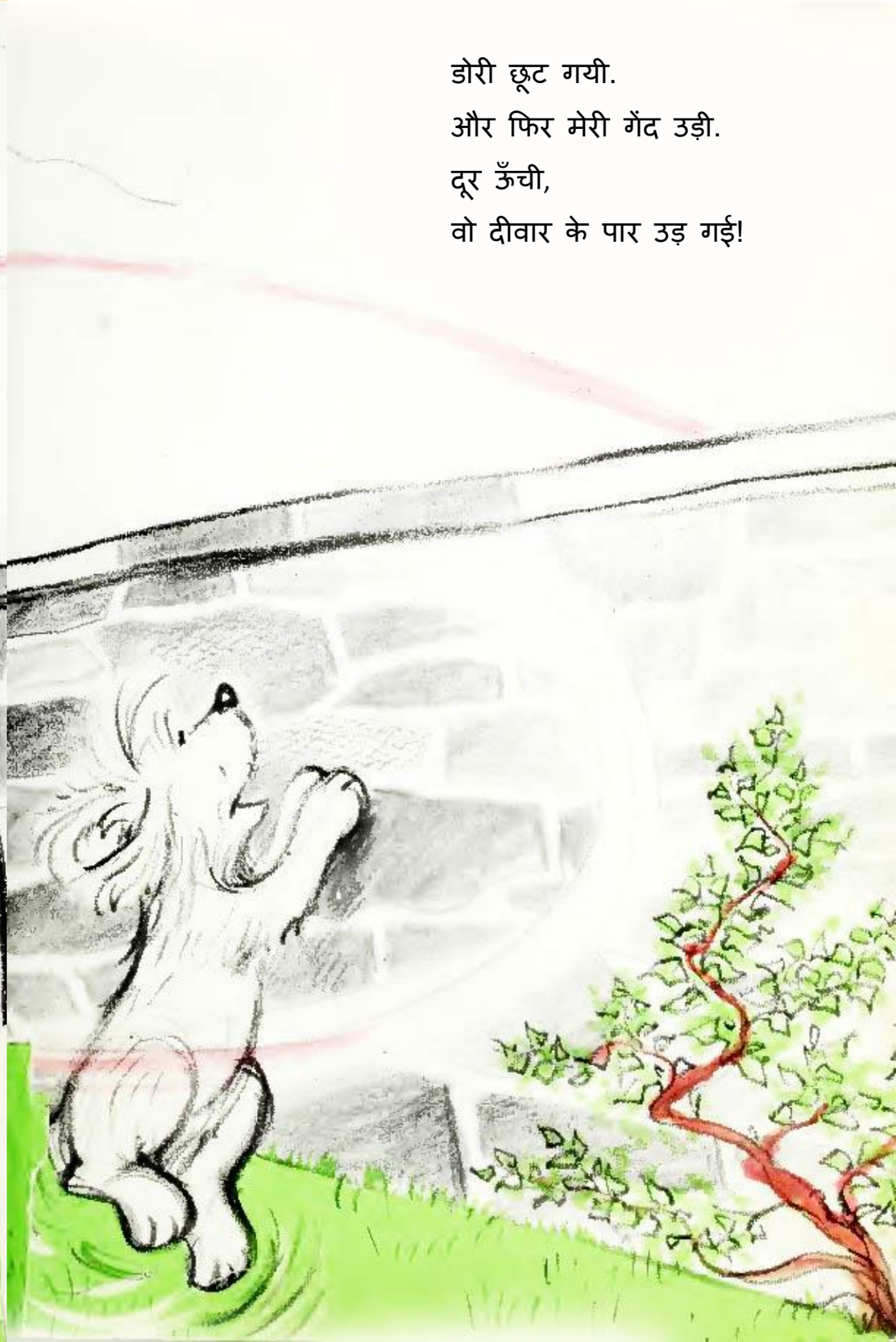

इसलिए मैं दीवार के पार तेजी से भागा.
मुझे अपनी बड़ी लाल गेंद पकड़नी थी.
मैंने उसे उछलते देखा. मैंने उसे लुढ़कते देखा,
मैंने उसे एक खुले छेद की ओर जाते देखा.

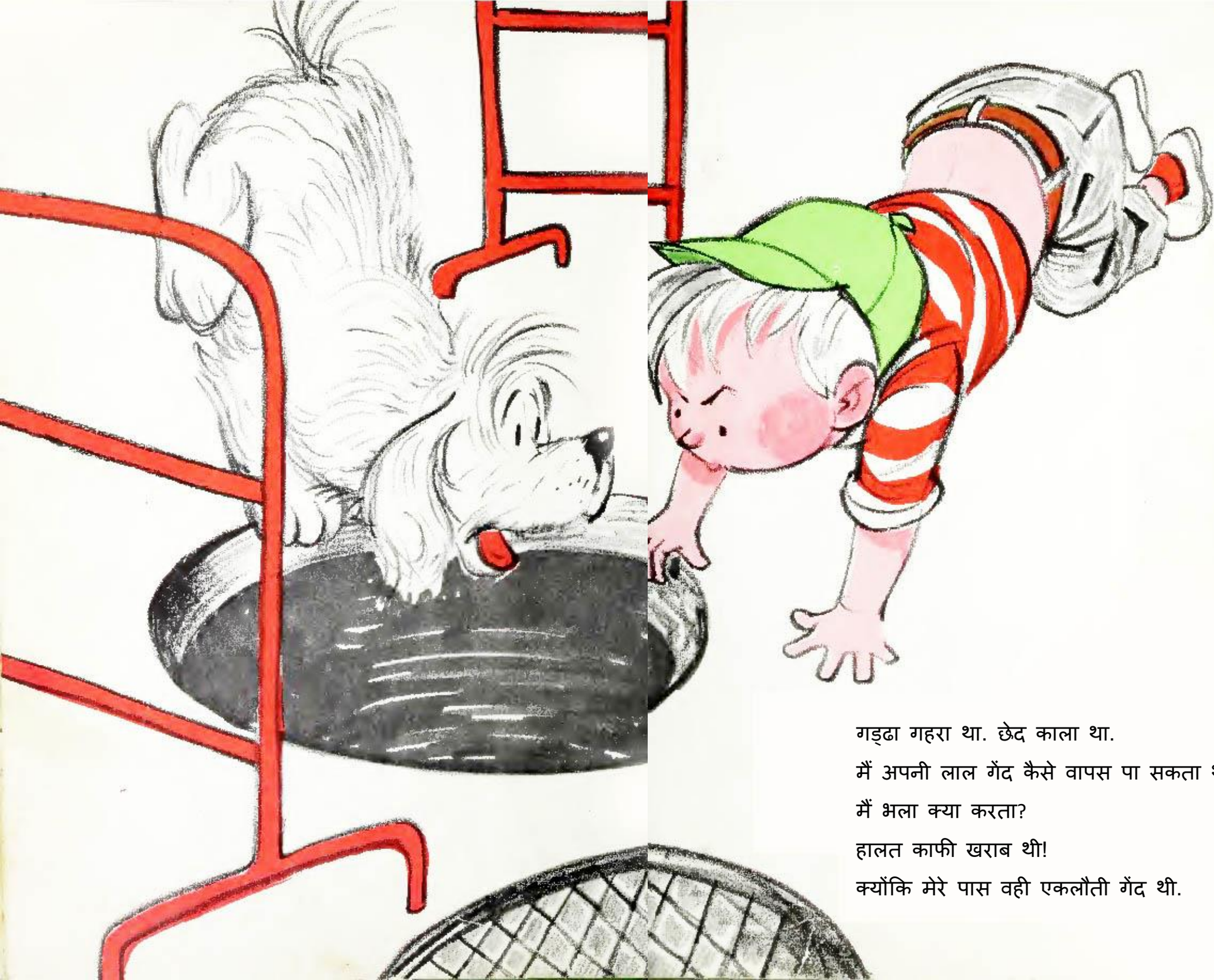

गड्ढा गहरा था. छेद काला था.

मैं अपनी लाल गेंद कैसे वापस पा सकता था?

मैं भला क्या करता?

हालत काफी खराब थी!

क्योंकि मेरे पास वही एकलौती गेंद थी.

तभी एक आदमी ने छेद से अपना सिर बाहर निकाला.
"तुमने मुझे अपनी गेंद से मारा!" वो चिल्लाया.
वो बहुत गुस्सा था इसलिए उसने मेरी गेंद को फेंका
पहाड़ी से नीचे का रास्ता से मैंने गेंद को गिरते हुए देखा.
मैंने देखा कि मेरी लाल गेंद उछल रही थी
आप बताएं, मैंने उसे कहाँ रुकते हुए देखा?

मैंने उसे एक ट्रक पर गिरते हुए देखा.
वो बड़ी शर्म की बात थी! वो बड़ा दुर्भाग्य था!

ट्रक पहाड़ी से नीचे उतरा और इसलिए,
मैं भी उसके पीछे-पीछे तेजी से दौड़ा.
"जरा देखो!" मैं चिल्लाया.
मैं चीखा, “देखो!
तुम मेरी गेंद नहीं छीन सकते."

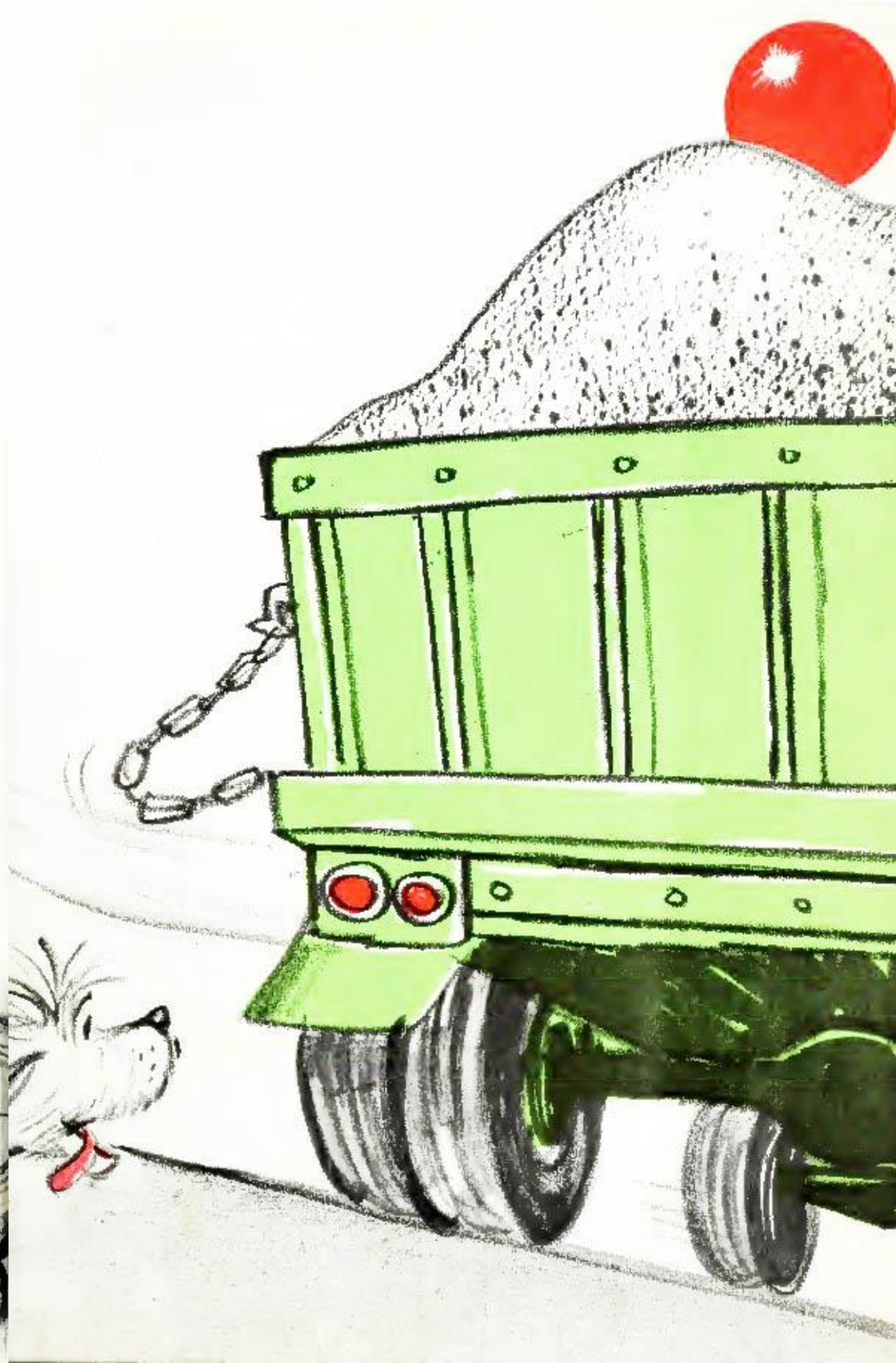

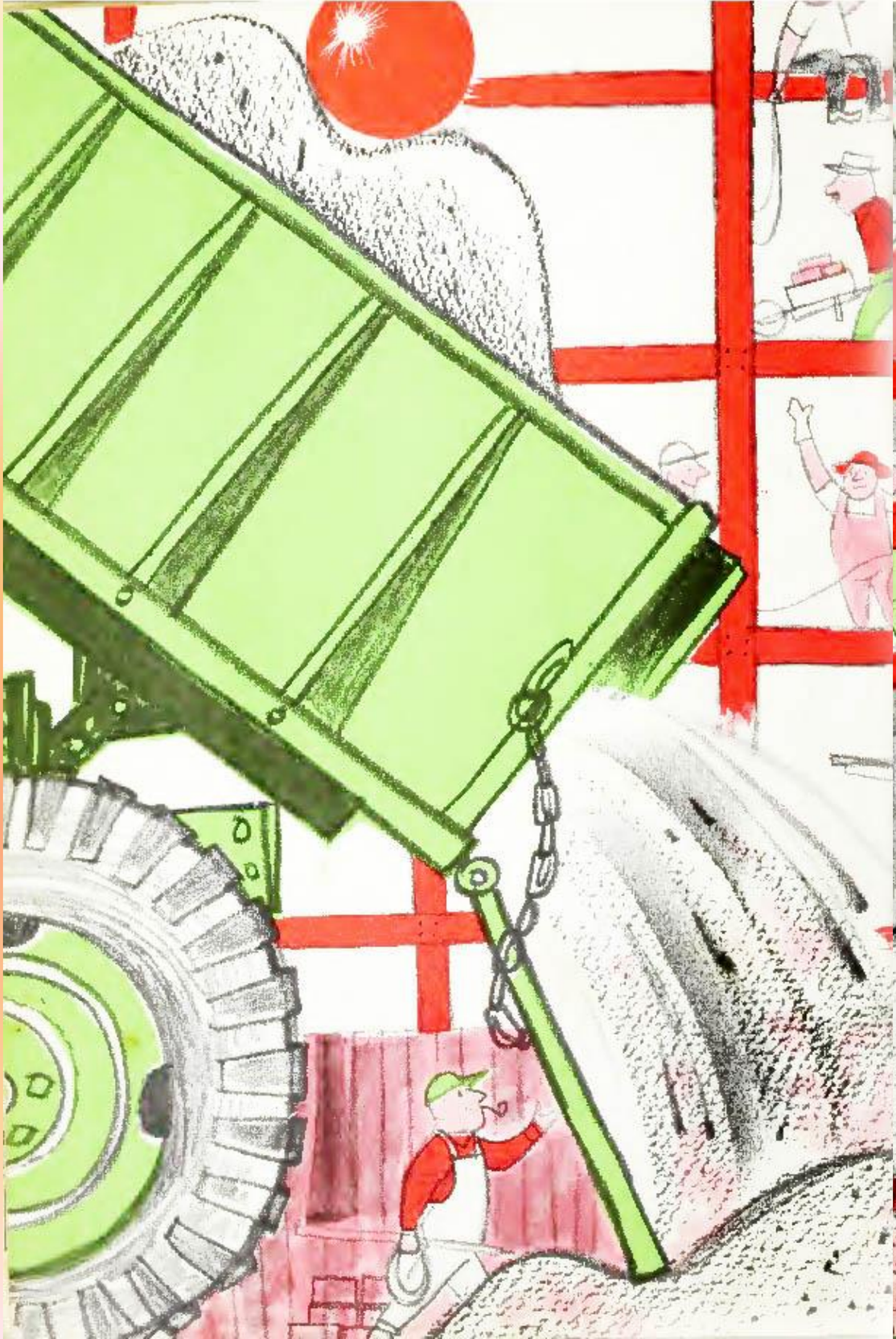

आख़िरकार ट्रक रुका,
और मेरी लाल गेंद ठीक उसके ऊपर थी.
मैंने ट्रक को डंप में वापस आते देखा.
उसमें से तेजी से रेत बाहर निकली.
उसे देखकर मुझे कूदना पड़ा!

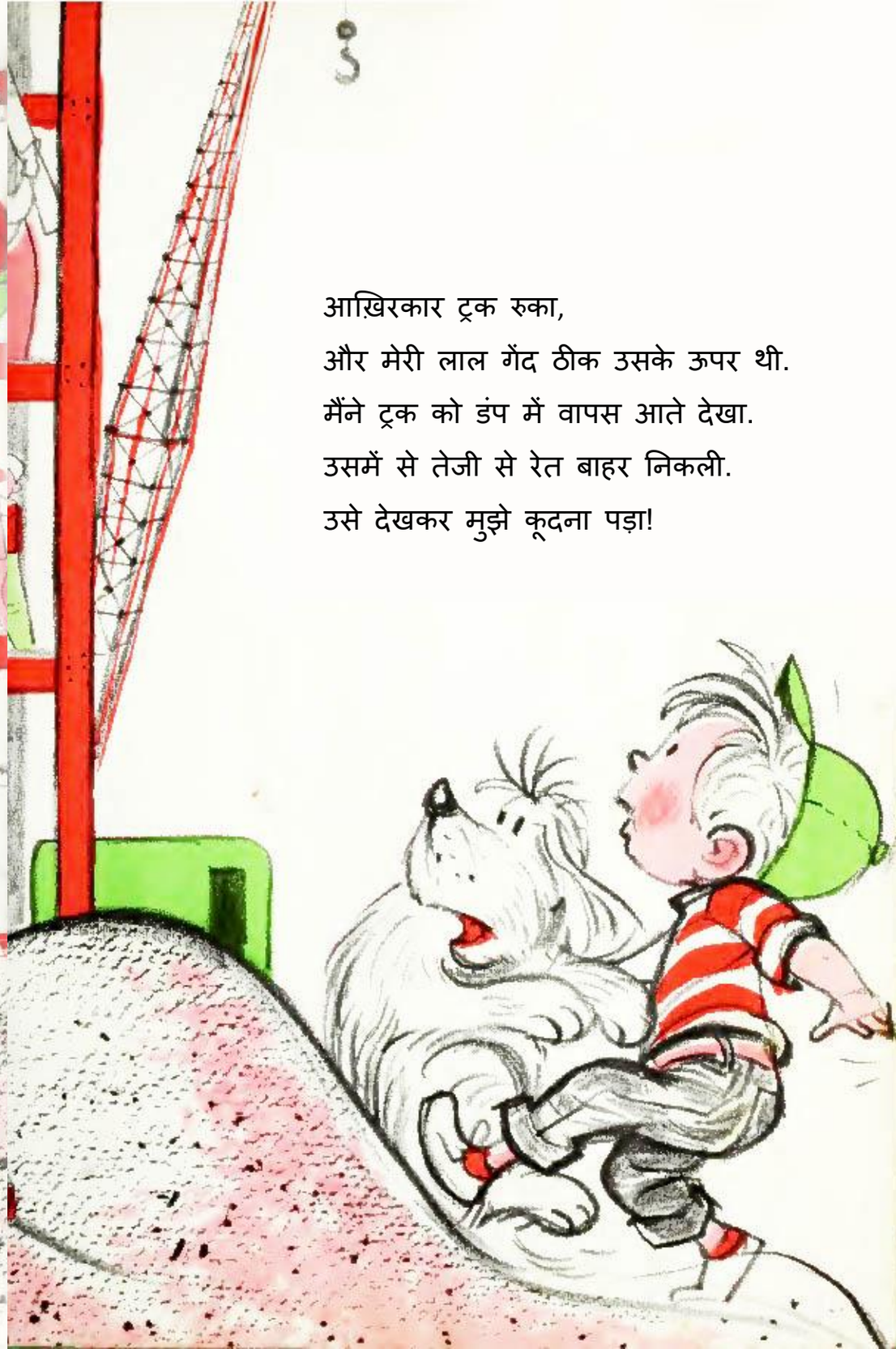

रेत निकलकर बाहर आई.
गेंद भी उछलती बाहर आई.
मैंने उसे उछलते दीवार से टकराते देखा.
फिर मैंने उसे सीधे एक डिब्बे में उछलते हुए देखा.
मैंने उसे कुछ ब्लॉक्स पर गिरते देखा.

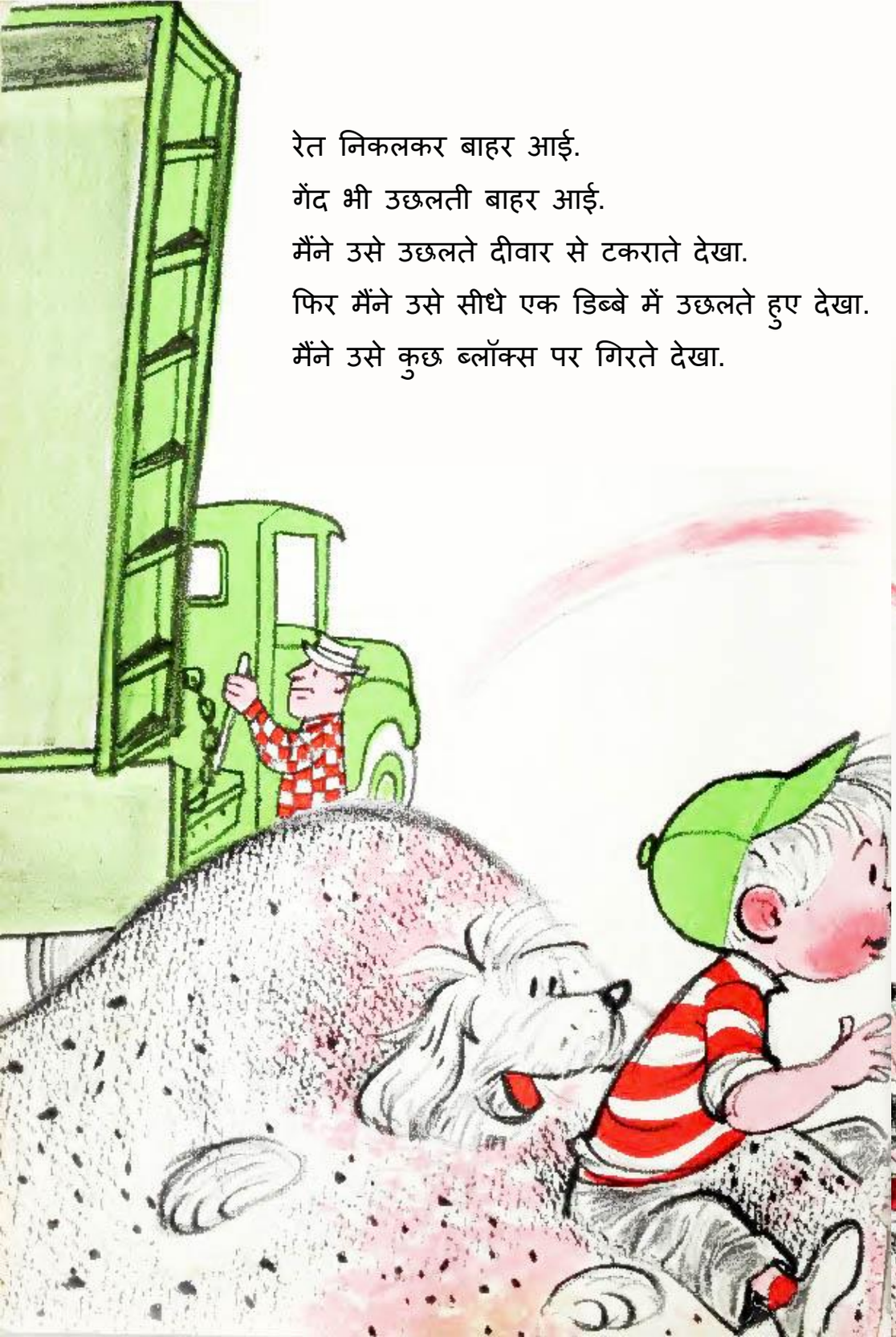

मेरी गेंद वहीं बैठ गई.
मैंने कहा, "मैं शर्त लगा सकता हूं
कि अब गेंद को पाना
बहुत कठिन नहीं होगा."

अरे! अब यहाँ कुछ नया था!
वो बक्सा ऊपर चला गया था!
साथ में मेरी गेंद भी चली गई!
गेंद बहुत ऊपर चली गई.
अब भला मैं क्या करता?
मैं वहाँ बैठकर दुखी नहीं हो सकता था.
मुझे अपनी गेंद हासिल करनी ही थी.

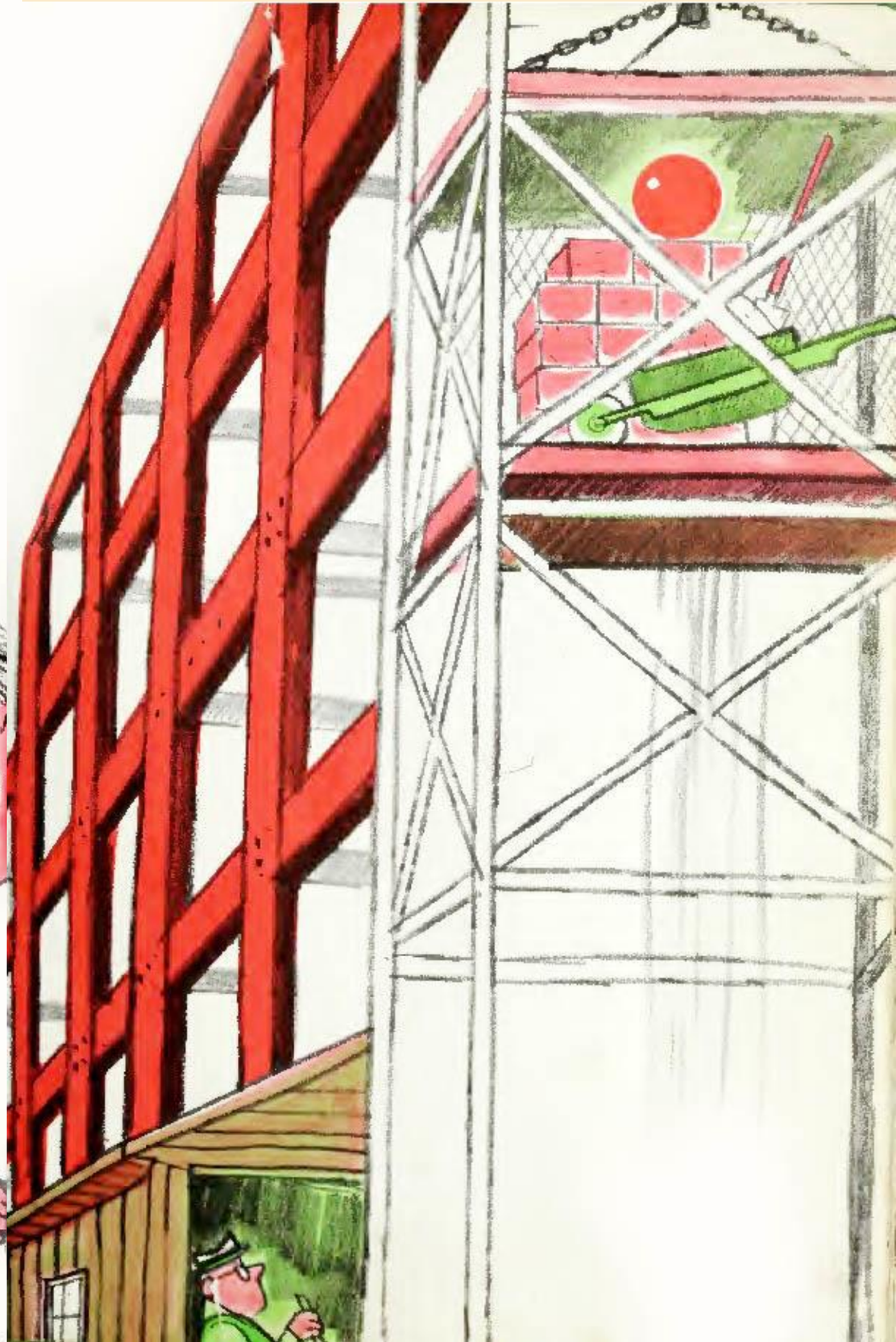

"यह रही तुम्हारी गेंद," एक आदमी चिल्लाया.
"अब दौड़ो और यदि तुम पकड़ सकते हो तो पकड़ो!"
फिर उसने मेरी गेंद को एक किक मारी.
उसमें नहीं थी, कोई समझदारी?
अब, क्या मुझे गेंद मिल सकती है?
मैं कोशिश कर सकता हूँ!
मेरा कुत्ता तेजी से दौड़ा और उसके पीछे मैं भी.

लेकिन उस दिन काफी गड़बड़ हुई.
मेरा कुत्ता मेरे रास्ते में आ गया.
फिर मैं नीचे गिर पड़ा, और फिर कुत्ता भी गिरा.
और गेंद मुझसे बहुत आगे निकल गई.

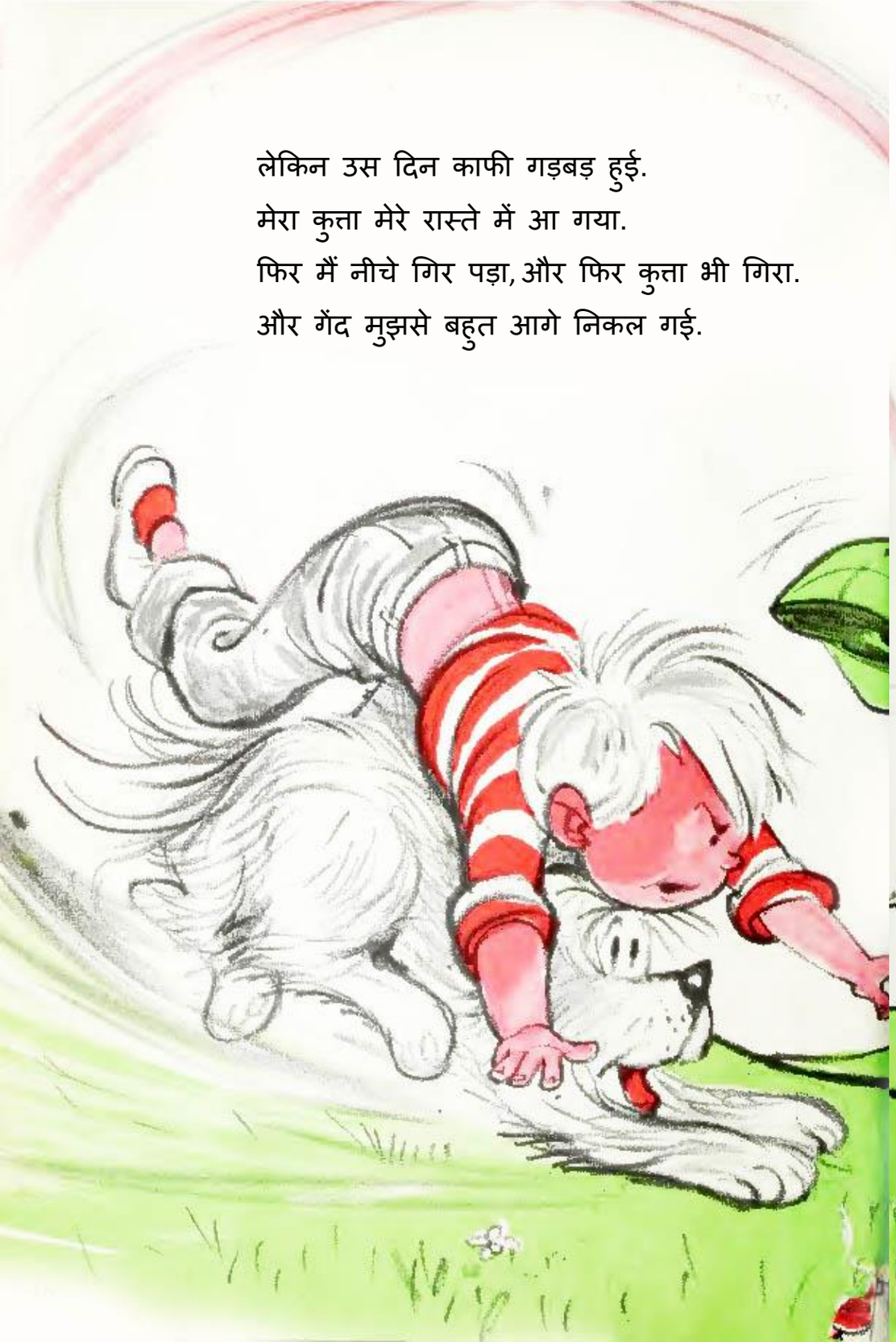

मेरी बड़ी लाल गेंद अपने रास्ते चली गई.
क्या सारा दिन ऐसा ही होता रहेगा?

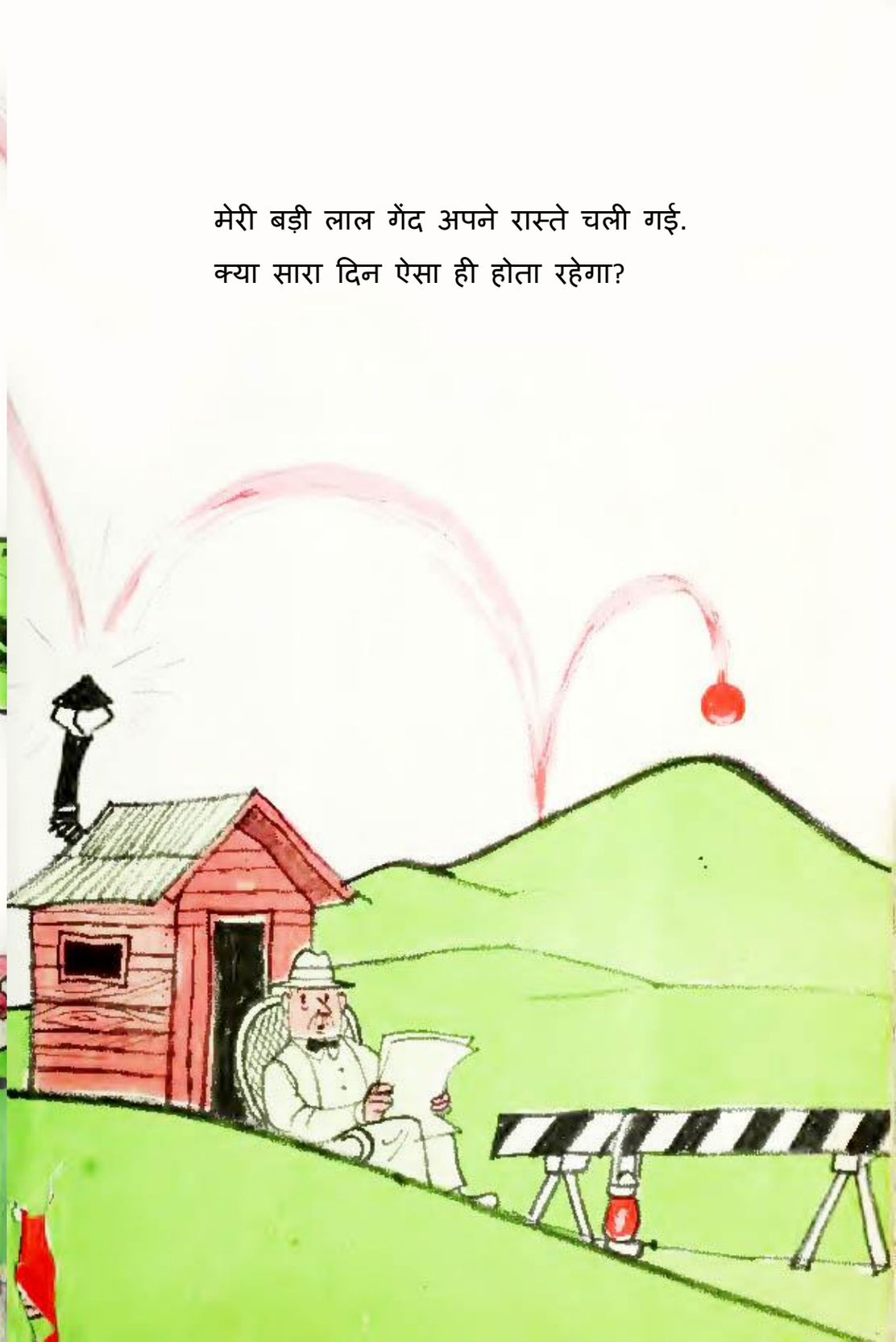

एक आदमी ने कहा, "रुको!
रुको!! और दूर रहो!
देखो, उस पहाड़ी के पास मत जाओ!
हम पहाड़ी को उड़ाने वाले हैं,
इसलिए तुम यहीं रुको,
और अपने पिल्ले को पकड़कर रखो!"
वहाँ मेरी गेंद थी — मेरी एकमात्र गेंद.
लेकिन मैं उसे प्राप्त नहीं कर सका!

फिर धमाका हुआ! बूम! बूम!
बहुत ज़ोर का विस्फोट हुआ!
मैंने पहाड़ी को, पत्थरों को, उछलते हुए देखा.

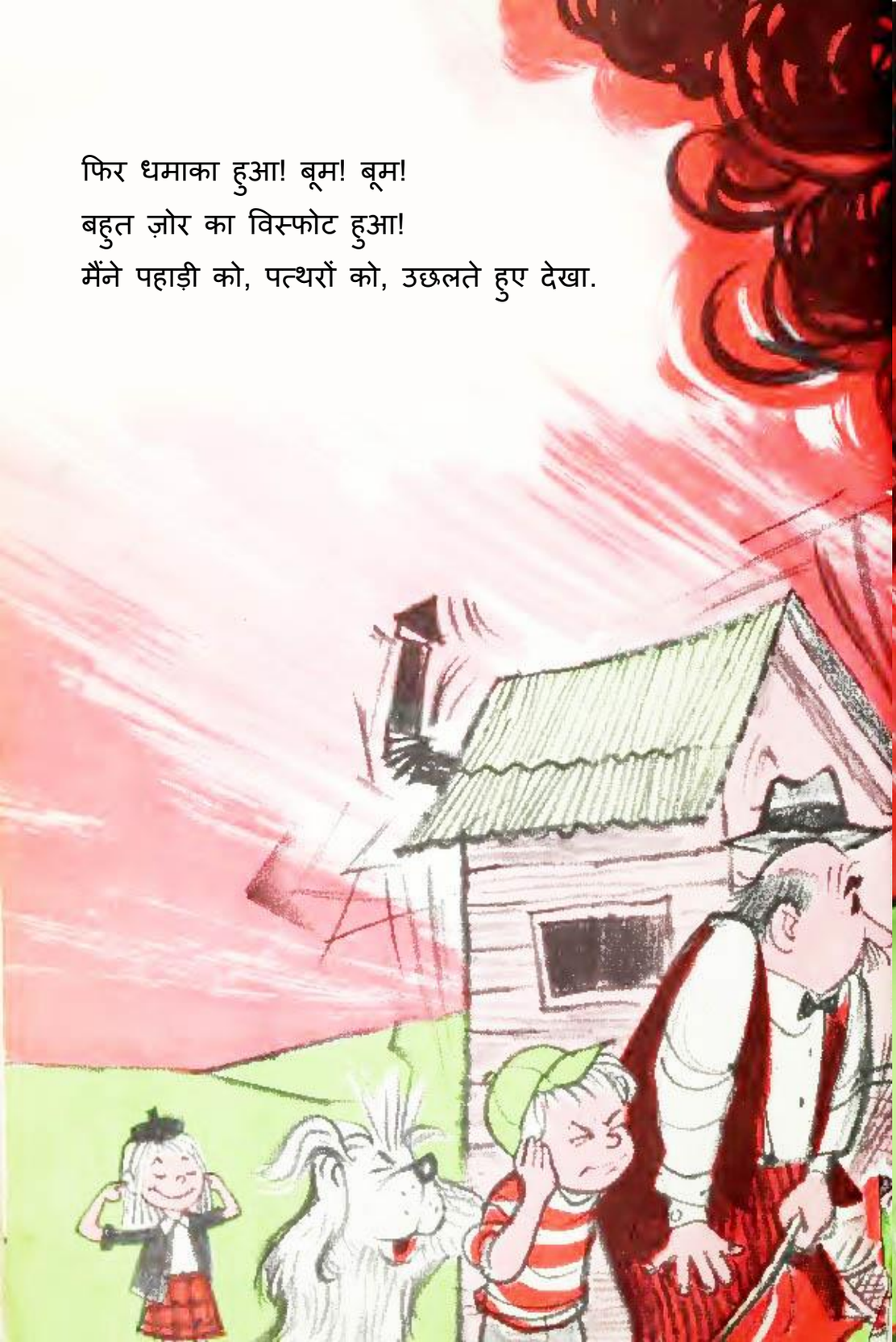

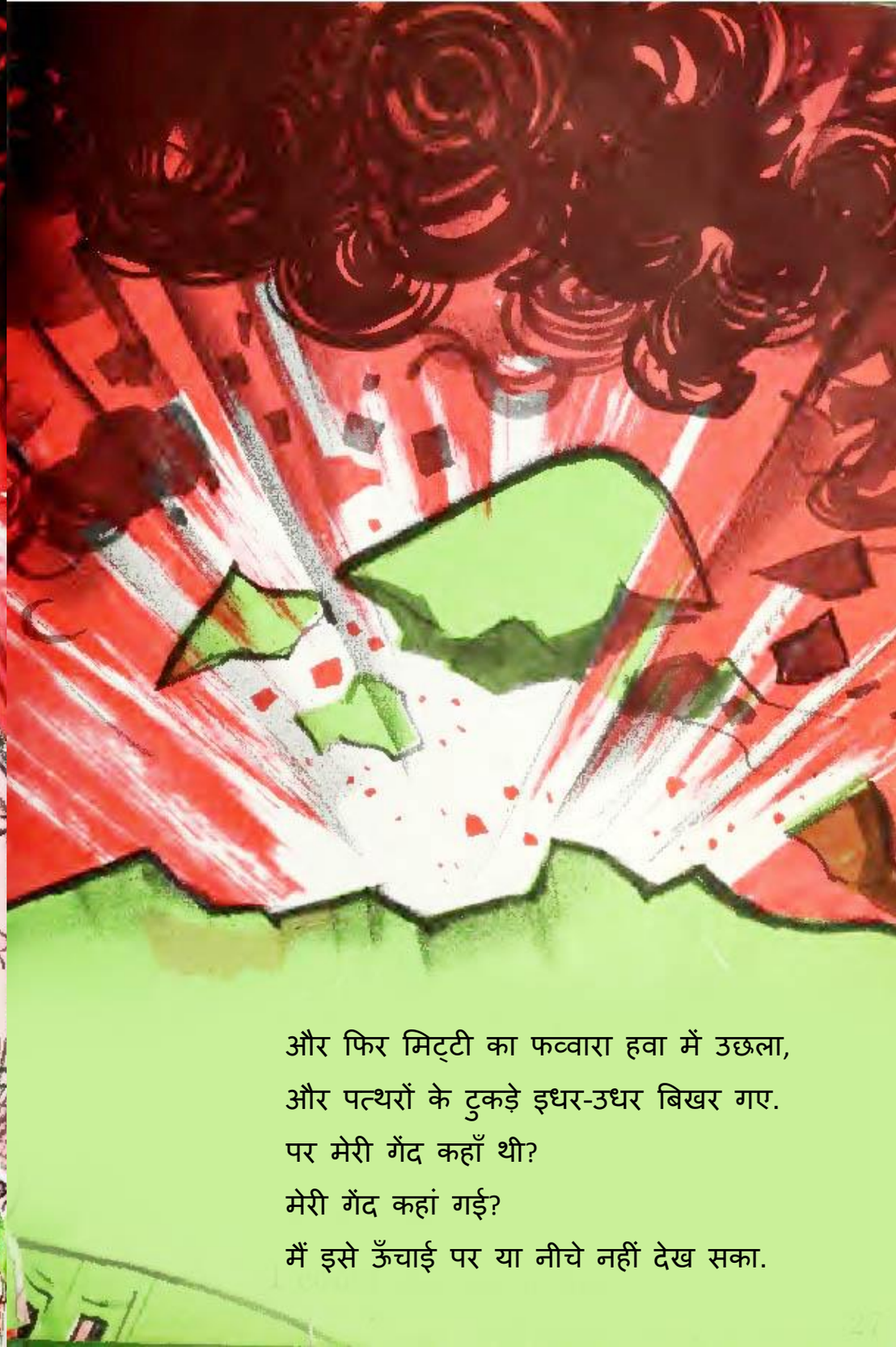

और फिर मिट्टी का फव्वारा हवा में उछला,
और पत्थरों के टुकड़े इधर-उधर बिखर गए.
पर मेरी गेंद कहाँ थी?
मेरी गेंद कहां गई?
मैं इसे ऊँचाई पर या नीचे नहीं देख सका.

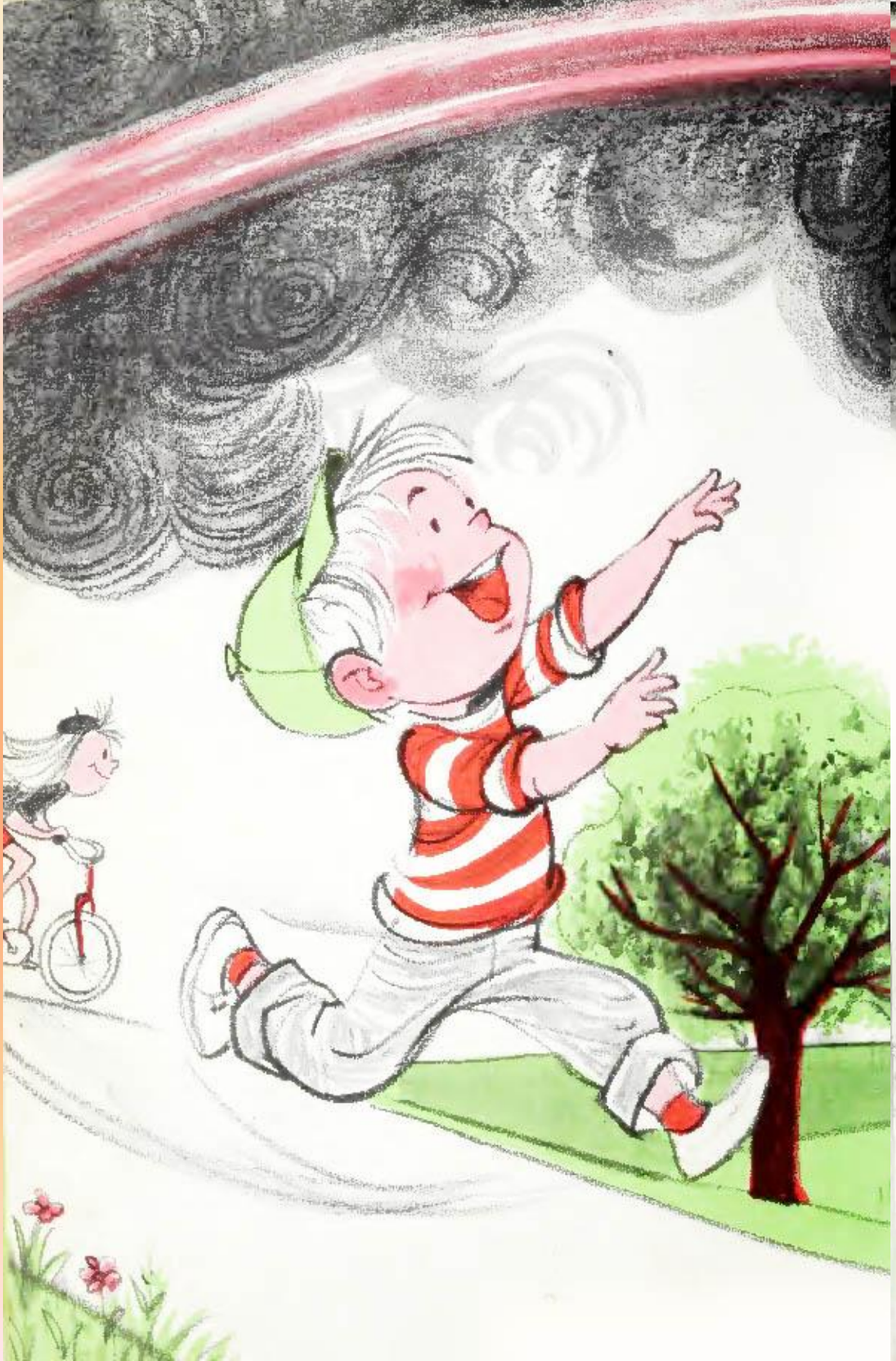

फिर, मेरी गेंद हवा में थी! पतंग की तरह ऊँची!
अब मुझे अपनी गेंद बिल्कुल मिल सकती थी,
मैंने कहा, "मुझे पता है कि वो नीचे आएगी.
और वो कहीं शहर में जाकर गिरेगी.
तब मैं उसे पा सकता हूँ.
हाँ मुझे अपनी गेंद वापिस मिलेगी!"
और इसलिए मैं भागा और भागा.

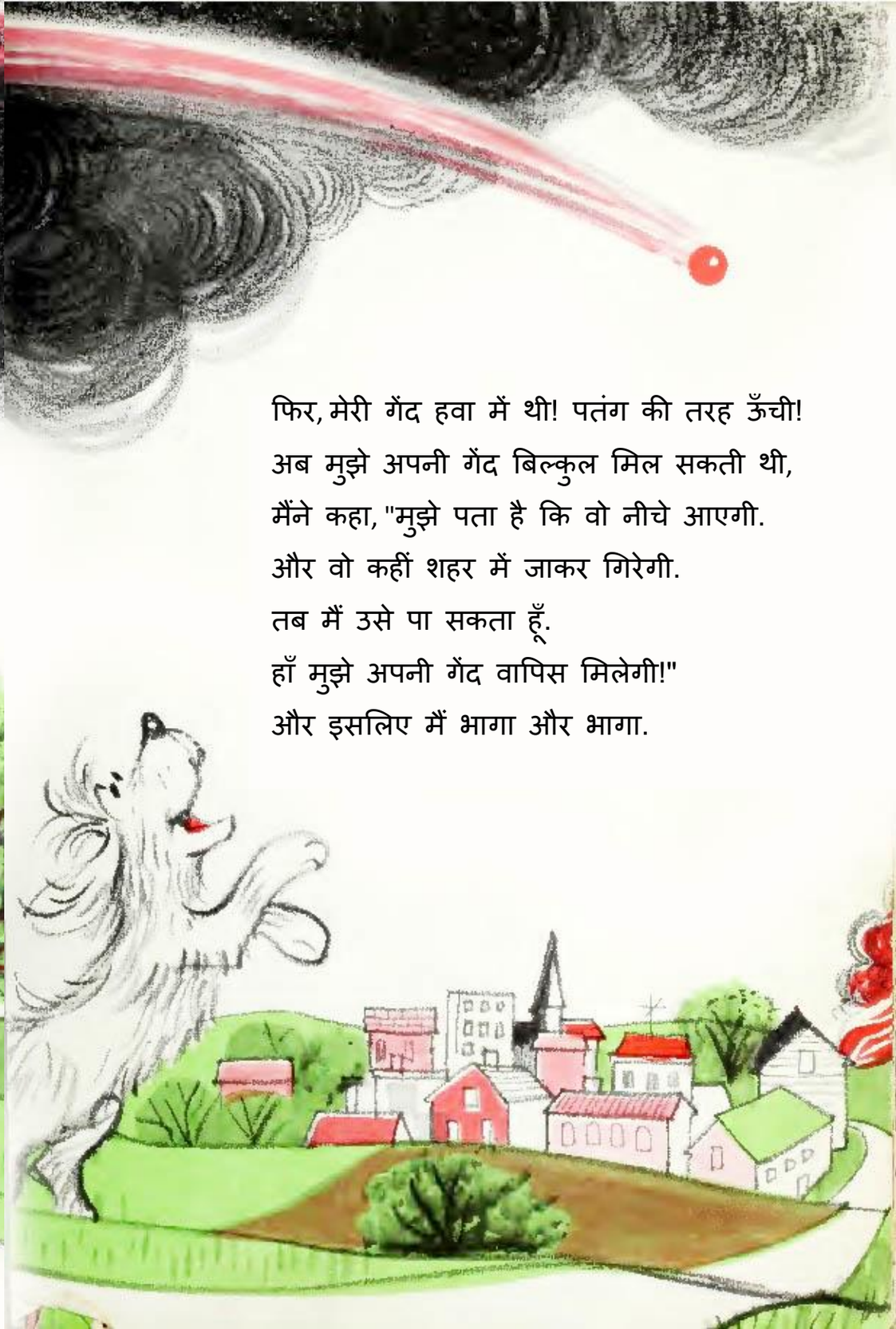

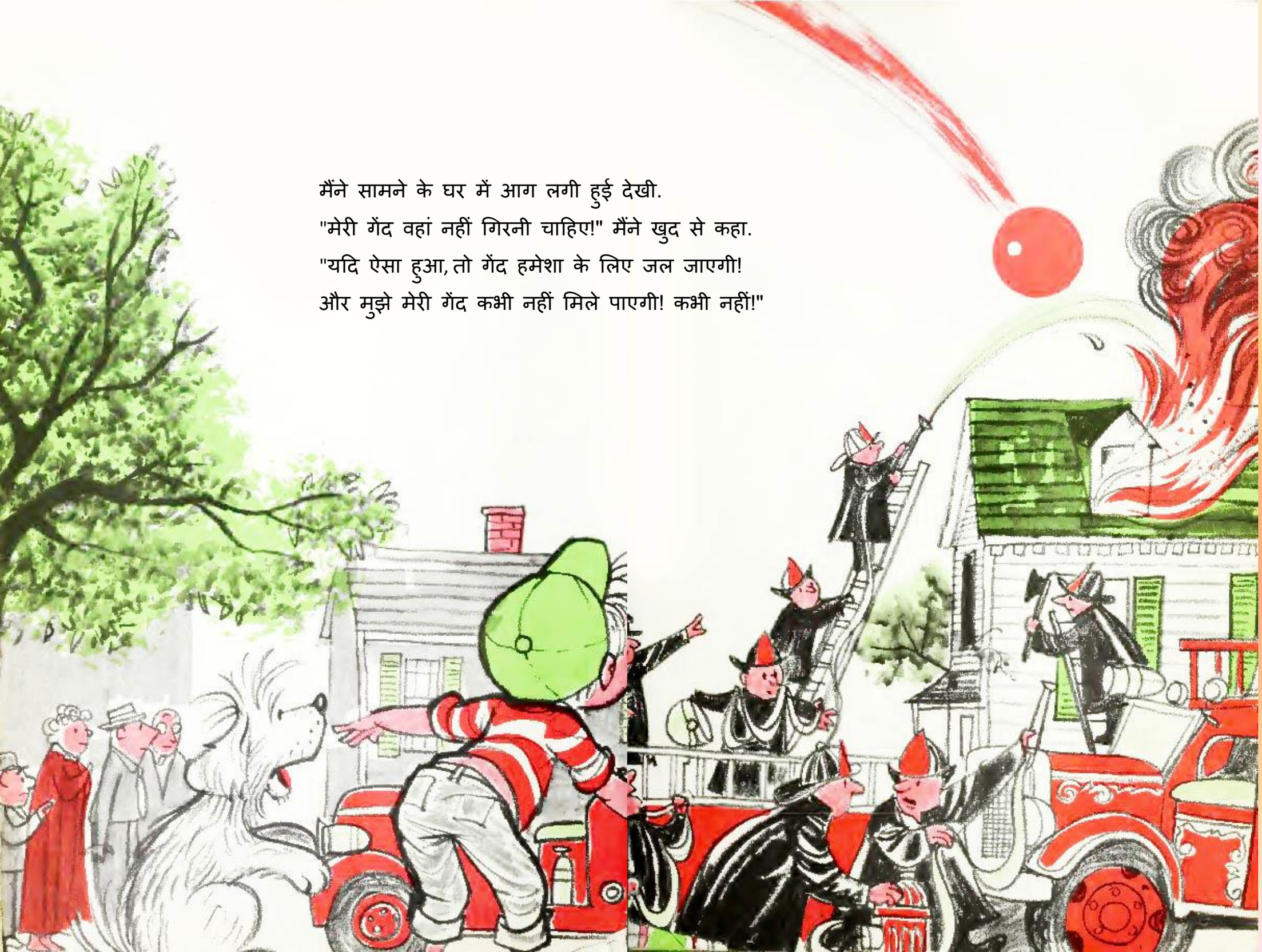

मैंने सामने के घर में आग लगी हुई देखी.
"मेरी गेंद वहां नहीं गिरनी चाहिए!" मैंने खुद से कहा.
"यदि ऐसा हुआ, तो गेंद हमेशा के लिए जल जाएगी!
और मुझे मेरी गेंद कभी नहीं मिले पाएगी! कभी नहीं!"

लेकिन फिर पानी की तेज़ धार
आकर मेरी गेंद पर लगी
उस धार ने गेंद को हवा में उड़ा दिया.
वो देखकर मैं बहुत खुश हुआ!
वो बहुत अच्छा हुआ!
अब मुझे मेरी गेंद
मिल सकती थी!

लेकिन मेरी गेंद मेरी पकड़ से दूर चली गई.

मेरी गेंद अब एक खेल में शरीक हो गई.

वो उस आदमी से जाकर टकराई जो सोडा-पॉप बेच रहा था!

गेंद ठीक आगे बढ़ती रही!

उसने रुकने का नाम नहीं लिया.

मेरी गेंद सीधे एक बल्लेबाज के पास पहुंची.

मैं चिल्लाया, "ओह! नहीं, तुम उसे मत मारो!"

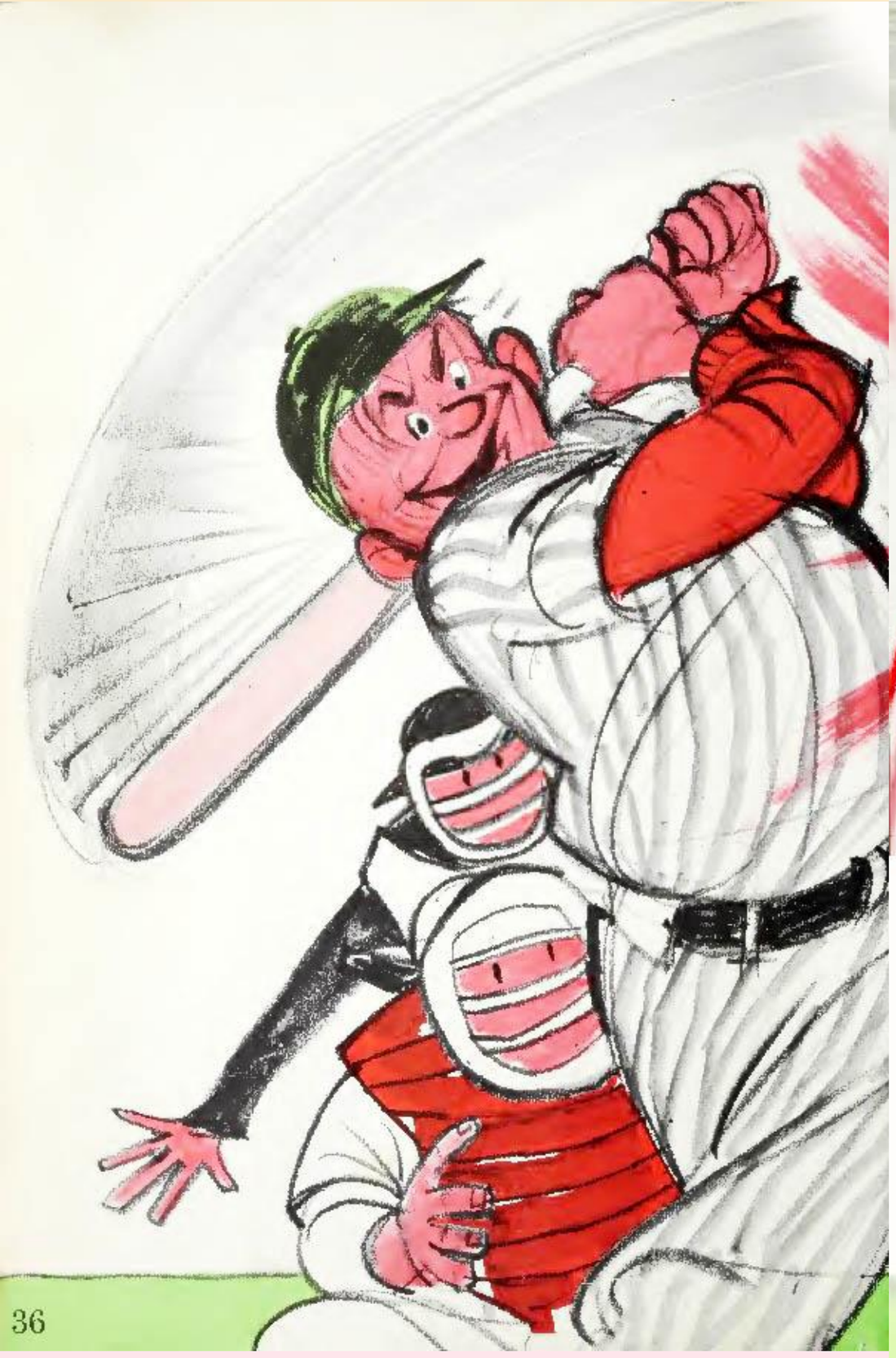

फिर, अजीब!
बल्लेबाज ने एक बड़ा शॉट मारा
उसने मेरी गेंद को मारा!
मेरी इकलौती गेंद को मारा!

फिर मेरी गेंद उछलती हुई गई!
वो एक पेड़ से जाकर टकराई!
फिर वो मुझ से आकर टकराई!
फिर वो आगे को लुढ़क गई.
ऐसा कैसे हो सकता था?
क्या वो हंगामा दिन-रात चल सकता था?
किसे पता, शायद वैसा भी हो सकता था.

वो हंगामा दिन-रात चल सकता था!

फिर मैंने गेंद को दूसरे रास्ते जाते हुए देखा!

अब किसे पता वो कहाँ जाकर रुकेगी!

फिर मेरी गेंद सीधे एक बैंड-बाजे की ओर गई!

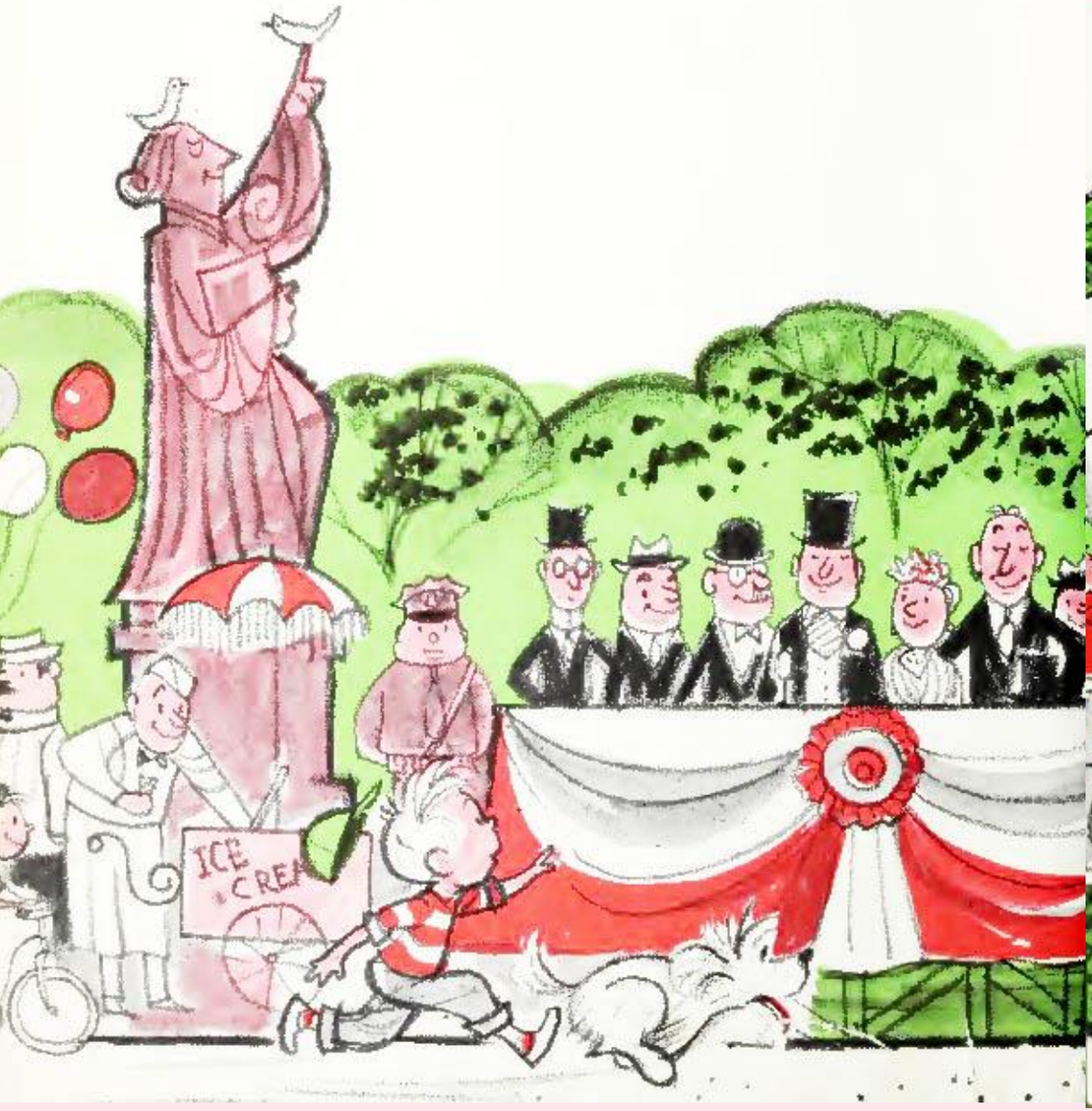

मैंने बैंड में एक मोटा आदमी देखा.
उसके हाथ में एक मोटा “हॉर्न” था.
क्या मेरी गेंद उस मोटे “हॉर्न” में घुसेगी!
अगर ऐसा हुआ तो फिर मैं क्या करूंगा?

ओह, क्या दुर्भाग्य है!
मेरी गेंद “हॉर्न” मे फंस गई!
और इसलिए मोटा आदमी उसे बजा नहीं पाया,
क्योंकि मेरी लाल गेंद “हॉर्न में फंसी थी.
मोटे आदमी ने “हॉर्न” में बहुत ज़ोर से फूंका.
अरे, क्या वो “हॉर्न” को वाकई में बजेगा?

अरे, “हॉर्न” कितनी ज़ोर से बजा!
मेरी गेंद “हॉर्न” से तेजी से बाहर निकली!
मेरी गेंद फिर से चली गई.
मालूम नहीं वो कहाँ चली गई.

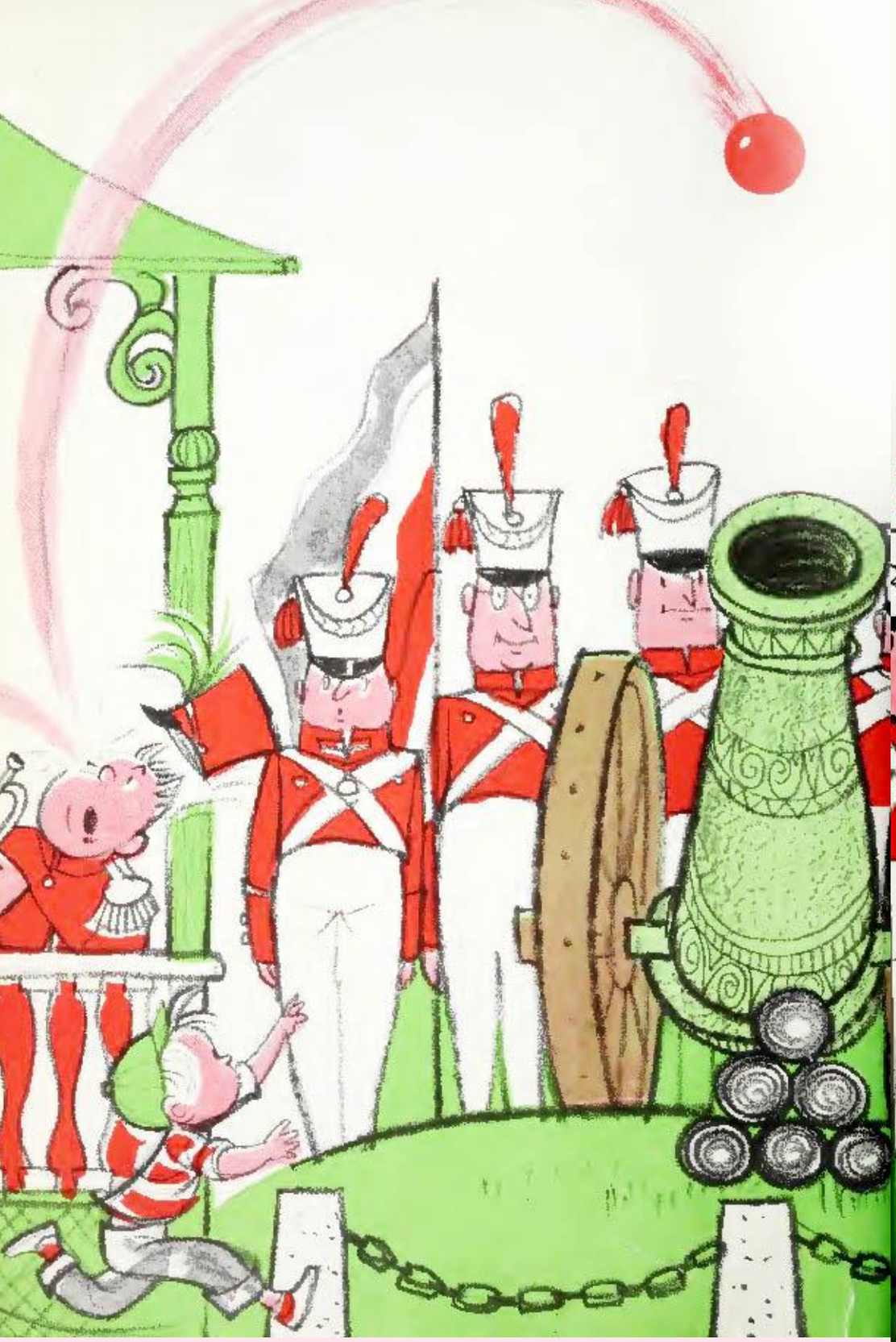

मेरी गेंद एक तोप की नली की ओर गई.
उसे देख मैं बड़ी तेजी से भागा!
मेरी गेंद एक गोले की तरह नली में गिरी.
उसने वहाँ क्या किया?
आपको पता है क्या!

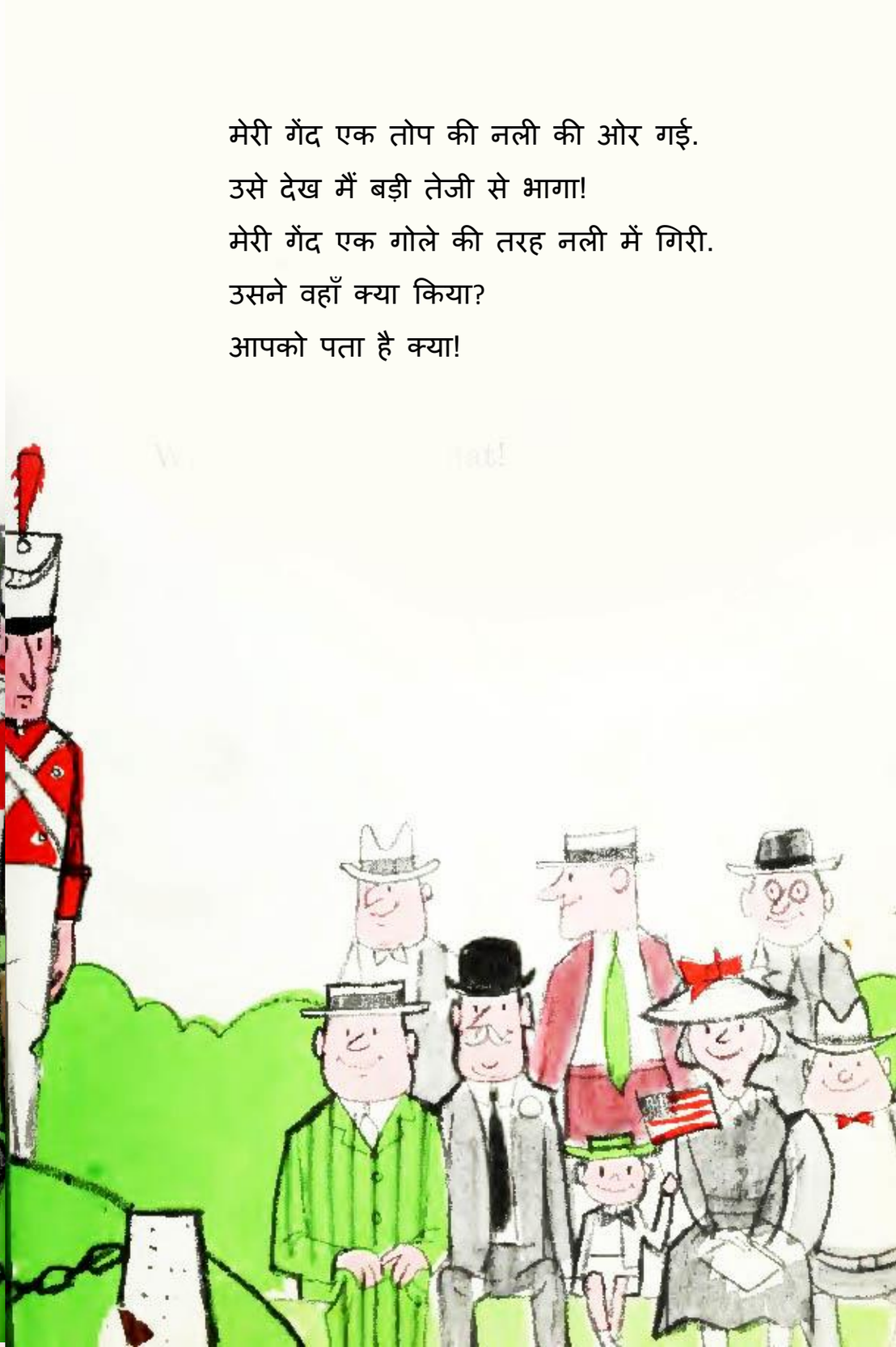

मैं बड़ी तेजी से उस तोप पर चढ़ा!
अब आख़िर में मुझे मेरी गेंद मिल जाएगी!
मैंने गेंद देखने के लिए अपना सिर नीचे किया,
लेकिन तभी एक आदमी ने मुझे पकड़ लिया.

उसने मुझे नीचे उतारा.

"वापस आओ!" वो चिल्लाया.

"वो तोप तुम्हारी खोपड़ी उड़ा सकती थी!"

फिर धमाका!

बूम! बूम!

कितनी ज़ोर का धमाका हुआ!

मैंने तोप को चलते देखा

उसने मेरी गेंद को बाहर फेंका

तेजी से उपर आसमान में.

अब मेरी गेंद कितनी ऊपर जाएगी?

और वो कहाँ जाकर गिरेगी?

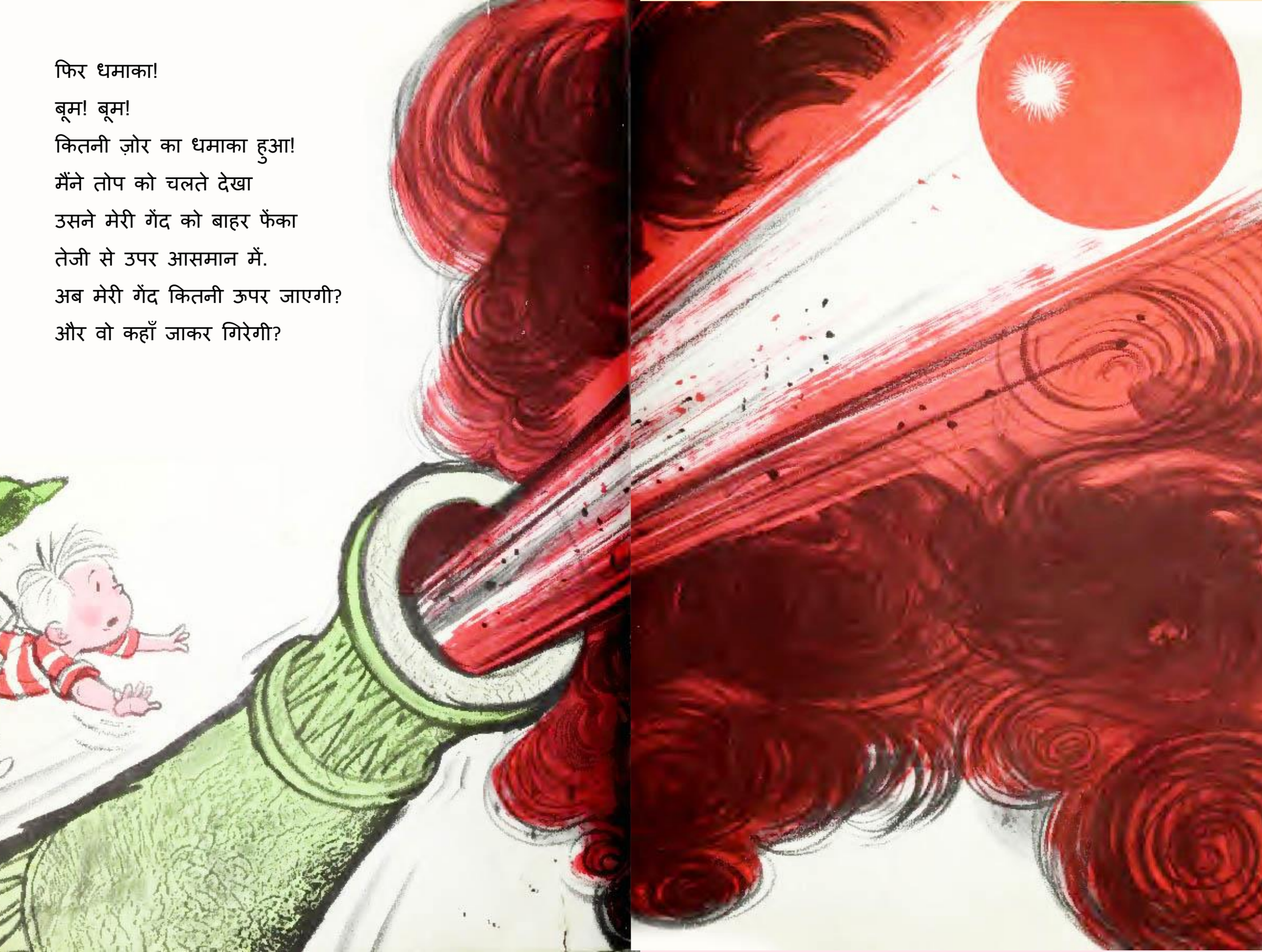

मेरी गेंद बैंड-बाजे के पार बहुत ऊपर गई,
वो पेड़, खेल, आग और रेत के भी ऊपर गई
बक्सा, ब्लॉक, और नीचे छेद वाले आदमी के पार.
मैं भागा और भागा!

मेरी गेंद पूरे शहर में दौड़ी!
और क्या आप जानते हैं कि वो अंत में कहां गिरी?

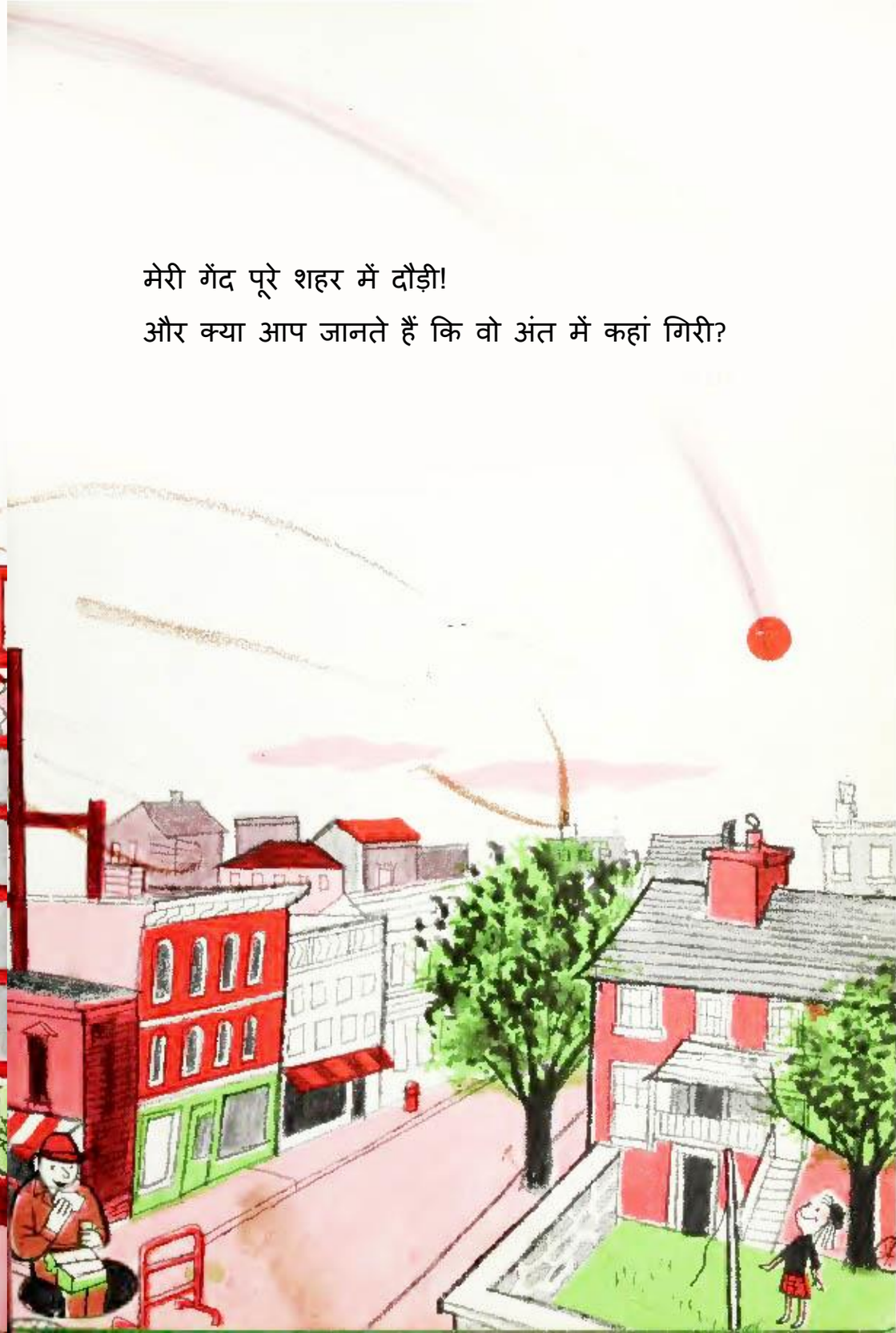

मेरी गेंद मेरे घर पर पहुंची!
मैं बहुत तेजी से भागा!
अब आख़िरकार मुझे अपनी गेंद मिली!
और अब मैं उसे दुबारा डोरी से बांध सकता था!
मैं इतना खुश था कि मैं गाने लगा!

लेकिन जब तक मैं घर पहुंचा,
किसी ने
मुझे नहीं पता किसने--
मेरी गेंद वापस डोरी से बांध दी थी
शायद, किसी ने मेरे साथ मज़ाक किया था!

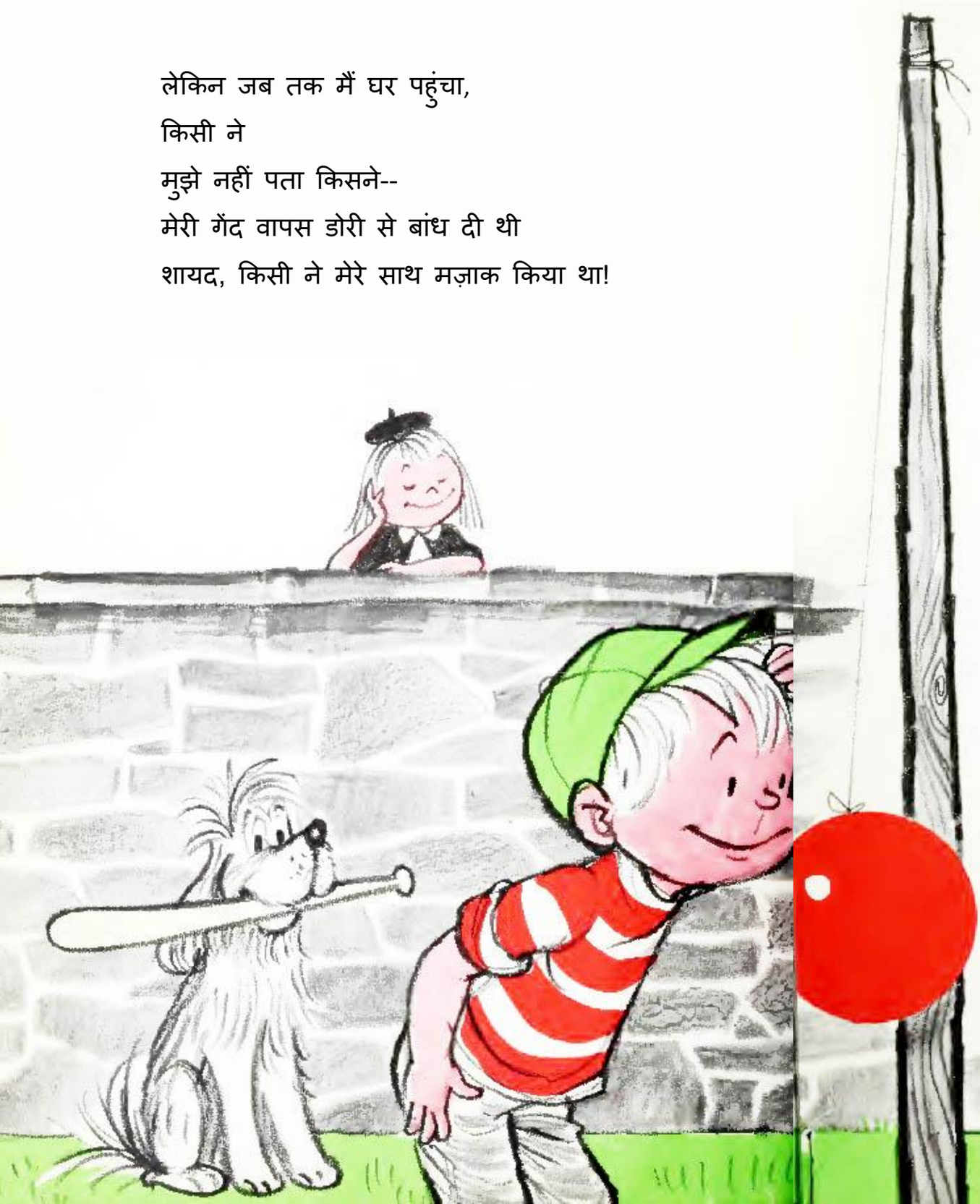

लेकिन फिर भी मैं खुश था.
मेरी गेंद मेरे पास थी
और मैं उससे खेल सकता था!

मैंने अपनी गेंद को मारा. मैंने उसे हवा में उड़ाया.
जैसे गेंद वापिस आई मैंने उसे दुबारा मारा.
गेंद चारों ओर घूमी, उसने चक्कर लगाया और वापिस आई.
मैंने अपनी गेंद को इस बार बहुत ज़ोर से मारा!

मैंने उसे ऊंचा मारा.
मैंने उसे नीचे मारा.
मैंने डोर को टूटते हुए देखा,
और अब
मेरी गेंद फिर से अपने रास्ते पर थी!

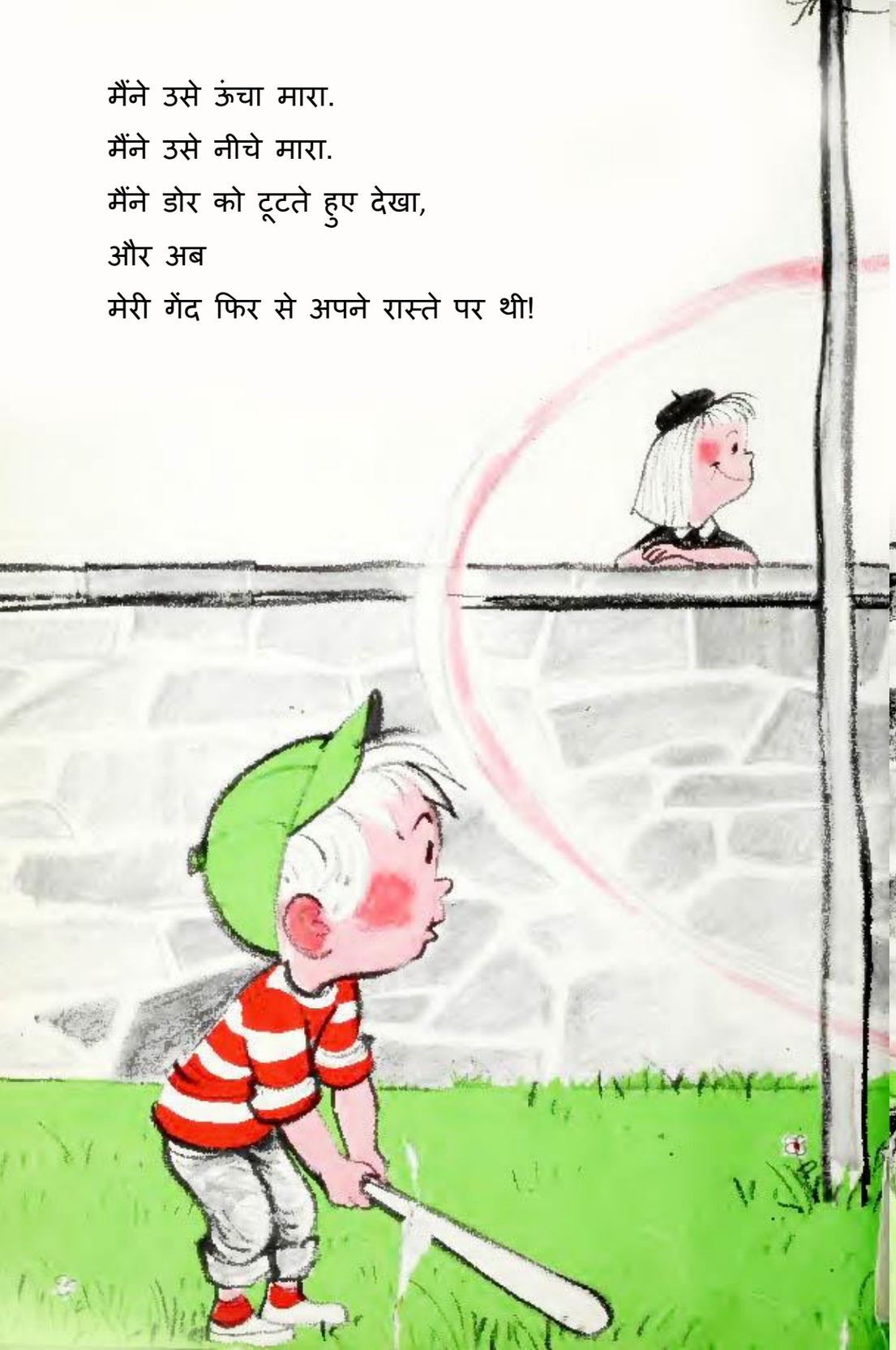

क्या यह तमाशा पूरे दिन-रात चल सकता था?
आप जानते हैं, कि वैसा जरूर हो सकता था!